

---

# Shri Sharadamanimatribhava Stuti

---

## श्रीशारदामणिमातृभावस्तुतिः

---

### Document Information

Text title : Shri Sharadamanimatribhava Stuti

File name : shAradAmaNimAtRRibhAvastutiH.itx

Category : deities\_misc, gurudev, rAmakRiShNa, stuti

Location : doc\_deities\_misc

Author : Yatindra Vimala Chaturdhurina

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramALA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीशारदामणिमातृभावस्तुतिः



अग्निवाय्विन्द्रदेवा यदिस्युर्मतिविक्त्वा  
उमाकारा सा हि सन्तानोद्धारा ।  
सुत-किमेतद्यक्षमिति युगयुगान्त-प्रणताति  
सुसमाधान-सुखदान-सदातत्परा ॥ १ ॥

त्रेताद्वापरभरणी सीताराधारूपिणी  
कलौ यशोधरा च गौरमनोहरा ।  
युगे युगे मे जननी प्रभुध्यानसारखनिः  
शारदा तु मनिमणिः सर्वयुगोत्तरा ॥ २ ॥

“मातृभावो हि गरिष्ठः सख्यमधुरयोः श्रेष्ठः”  
रामकृष्ण-मत-नित्य-सुख-प्रचारिणी ।  
शारदाम्बिकामणिः मातृभावशिरोमणिः  
काश्यां विमोचिता यया पथचारिणी ॥ ३ ॥

मातृमहानामामृत-पान-धन्य-खग-चेतः  
चन्दनापि कृतार्था पिञ्जरवासिनी ।  
धेनुकालीश्यामली युगपच्च वत्सावली  
हाम्बा शब्दायते करतलार्थिनी ॥ ४ ॥

जननी-प्रसादधन्यो नरेन्द्रः सुत वरेण्यः  
भुवनविजयी प्राह “माता गरीयसी” ।  
तथा नागमहाशयः गृहस्थसंन्यासाश्रय  
उच्चै “मातृदया ज्यायसी श्रेयसी” ॥ ५ ॥

प्राप्तनित्यमात्राशिष-भक्तभैरवगिरीशः  
सततमकथयन् “माता दयालुतरा” ।  
जननीपादसम्बलो भणति यतीन्द्रविमलोऽ-  
म्बा शारदातुला नित्या परात्परा ॥ ६ ॥


(श्रीशारदामातृसारात्सारा)

इति डॉ श्रीयतीन्द्रविमलचौधरिणविरचिता


“श्रीशारदामणिमातृभावस्तुतिः” समाप्ता ।

Proofread by Aruna Narayanan

---

——  
*Shri Sharadamanimatribhava Stuti*

pdf was typeset on June 12, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

